बन्दी वार्डों में बहिरंग उपचार ।

(2) युद्धबन्दी शिविर अस्पतालों में उपचार ।

(3) सैनिक अस्पतालों में विशेषज्ञ उपचार ।

(ख) 48 एम० आई० रूम और सैनिक बन्दी वार्ड हैं, हरेक शिविर में एक एक युद्धबन्दियों के परिवारों के लिये इलाहाबाद में एक विशेष एम० आई० कक्ष और 50 पलगों वाला एक वार्ड है । इसके अतिरिक्त आगरा, इलाहाबाद, रांची, और रामगढ़ में 4 युद्धबन्दी शिविर अस्पताल हैं ।

(ग) जो युद्धबन्दी अभी तक बीमारी के कारण मर गये हैं उनकी संख्या 47 है ।

Discussion regarding Indians Abroad

*792. SHRI PILOO MODY: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the attention of Government has been drawn to a discussion held in New Delhi (as published in the 'Times of India' dated the 18th March, 1973) regarding Indians abroad;

(b) whether Government have taken note of the delibrations; and

(c) if so, the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SURENDRA PAL SINGH): (a) and (b). Yes, Sir.

(c) We have all along advised persons of Indian origin settled abroad to identify themselves with the interests and people of countries of their adoption and to contribute to their economic, social, cultural and political advancement.

The recent tragic events in Uganda have understandably had some unsettling effect on Indian and other foreign communities resident in neighbouring African countries. Government respect and appreciate the stand taken by a number of African leaders against the racial inhumane character of these mass expulsions ordered by the Uganda Government. Although there are cases in some other African countries where non-citizens have had their trading licences and work-permits cancelled and have left the country, Government have no reason to believe that there is any feeling of animosity or ill-will against Indians as such.

Government have confidence in the assurances of several African leaders that such non-citizens, who wish to leave any African country in consequence of progressive withdrawal of their trading licences and cancellation of work-permits will be phased out in an orderly manner and will be permitted to repatriate their savings and assets to start life afresh elsewhere.

Enhancement of prices of imported non-ferrous metals

*794. SHRI YAMUNA PRASAD MANDAL: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether prices of imported non-ferrous metals have been enhanced; and

(b) if so, the rasons therefor?

THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI S. MOHAN KUMARAMANGALAM): (a) Yes, Sir.

(b) The prices have been enhanced due to sharp rise in the prices of non-ferrous metals in the International Market and the increase in the budgetary levies effective from 1st March, 1973.

Increase in price of Alloy and Tool Steel by Hindustan Steel and Mysore Steel

*796. SHRI D. K. PANDA: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether the Hindustan Steel and the Mysore Steel have raised the prices of alloy and tool steels by Rs. 1000 per tonne

with effect from March 1, 1973; and

(b) if so, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI S. MOHAN KUMARAMANGALAM): (a). No, Sir. HSL have increased their prices by about Rs. 130 to Rs. 170 per tonne on account of increase in excise and auxiliary duties with effect from March 1, 1973. In the case of Mysore Iron and Steel Limited, the increase on account of some other cost factors has ranged between Rs. 105 to Rs. 420 per tonne. Only in the case of stainless steel, Mysore Iron and Steel Ltd. has increased the price about Rs. 1,000.

(b) Does not arise.

भारतीय सशस्त्र सेनाओं को प्रशिक्षण देने की भाषायें

*797. **श्री शंकर दयाल सिंह : क्या रक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय सशस्त्र सेनाओं को किन-किन भारतीय भाषाओं में प्रशिक्षण दिया जाता है ;

(ख) क्या सेना के जवानों को अब भी अंग्रेजी के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाता है ; और जवानों के लिये इस सम्बन्ध में अंग्रेजी का कितना ज्ञान अनिवार्य है ; और

(ग) क्या सशस्त्र सेनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी देने वाले कोई प्रकाशन रक्षा विभाग द्वारा निकाले जाते हैं ?

रक्षा मंत्री (श्री जगजीवन राम) : (क) हिन्दी प्रमुख भारतीय भाषा है जिसका कि भारतीय सशस्त्र सेनाओं को प्रशिण देने के लिये प्रयोग किया जाता है । इसके अतिरिक्त, पंजाबी, मराठी, तामिल, तेलुगु, कन्नड और मलयालम जैसी अन्य भारतीय भाषायें हैं जिनका सम्बन्धित रेजिमेंटल यूनिटों द्वारा प्रशिक्षण देने के लिये प्रयोग किया जाता है ।

(ख) जवानों को अंग्रेजी माध्यम से प्रशिक्षण केवल उन्हीं तकनीकी ट्रेडों के लिये दिया जाता है जहां ऐसा किया जाना कार्य-संचालन के लिये आवश्यक है । अंग्रेजी की प्रवीणता का आवश्यक स्तर सरल अंग्रेजी में लिखने और बोलने से लेकर मैट्रीकुलेशन तक है यह विभिन्न ट्रेडों की आवश्यकता पर निर्भर करता है :

(ग) रक्षा मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट 1972-73 के साथ वितरित की गई सेवा की शर्तों पर पुस्तक 1973 की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है ।

शिविरों से भागने वाले पाक युद्धबन्दियों के विरुद्ध कार्यवाही

*798. **श्री शिव कुमार शास्त्री :** क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) ऐसे कितने युद्धबन्दियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई है जिनका सुरंगें खोदने और षड़यंत्रों के मामलों में हाथ था ; और

(ख) तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ?

रक्षा मंत्री (श्री जगजीवन राम) : (क) और (ख). सुरंग खोदने के कार्य में 159 युद्धबन्दी-111 अफसर 4 जे० सी० ओ० और 44 अन्य रैंक शामिल थे । उनके विरुद्ध जिनेवा समझौते के अधीन अनुशासनात्मक कार्यवाही की गई है ।

Training to Pakistanis in Guerilla Warfare by Chinese Instructors

*799. SHRI R. V. SWAMINATHAN: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether about 300 Chinese Instructors are training about 40,000 Pakistanis in guerilla warfare and subversive activities in Pakistan occupied Kashmir and hectic war preparations are also being made by Pakistanis all along the line of actual control in Jammu and Kashmir;